अनोखा घोंसला

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 1 6/26/23 9:51 AM

ठंड आने वाली है।
इसलिए चिड़िया घोंसला बना रही है।

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 2 6/26/23 9:51 AM

वह तिनका-तिनका लाती।
उनको ठीक से जमाती।

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 3 6/26/23 9:51 AM

बड़ी मेहनत से घोंसला बना।
सुंदर व नरम घोंसला।

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 4 6/26/23 9:51 AM

वह बहुत खुश है।
सोच रही है कि ठंड में आराम से रहेगी।

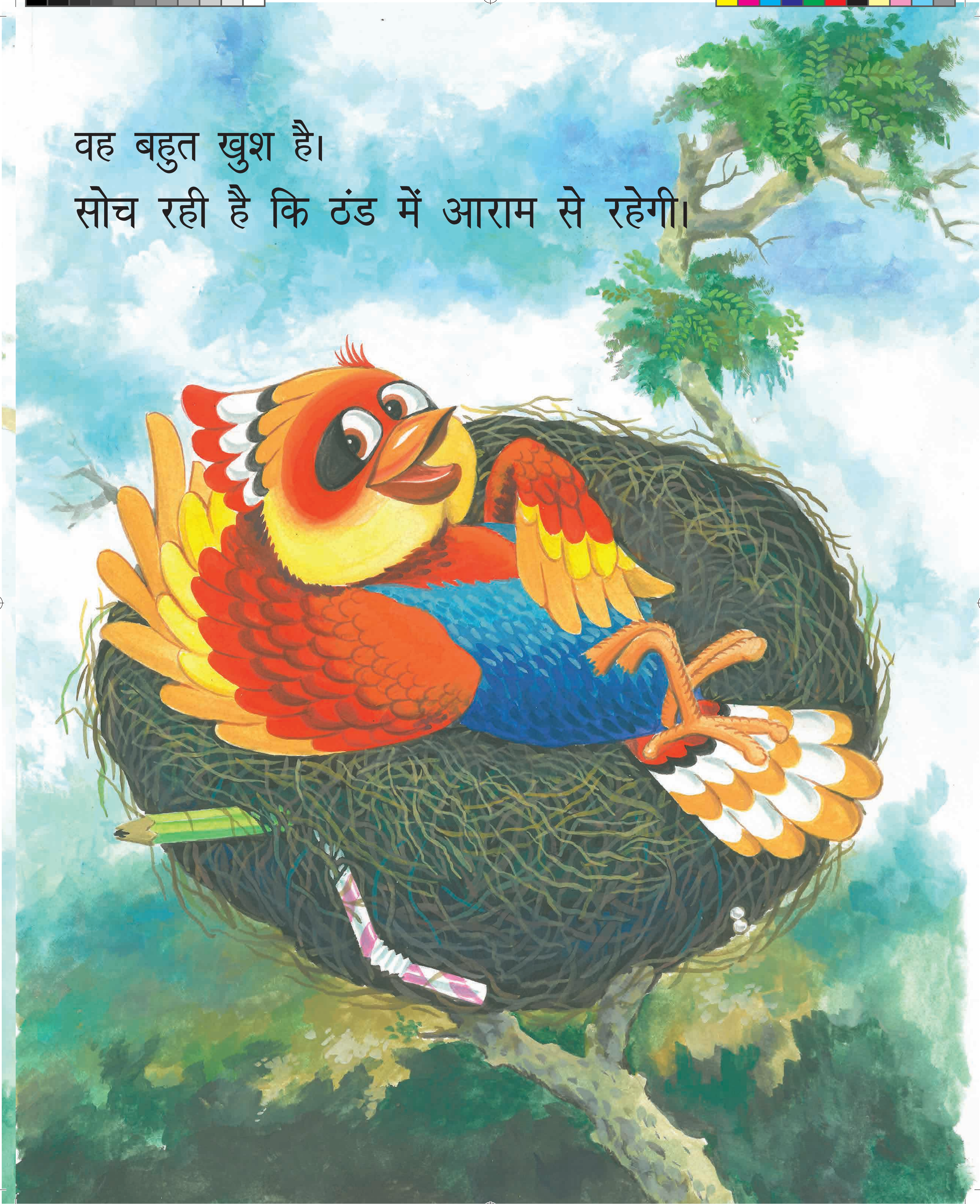

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 5 6/26/23 9:51 AM

सोचते-सोचते उसे नींद आ गई।
तभी, लगा कि घोंसला हिल रहा है।

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 6 6/26/23 9:51 AM

सोचा शायद हवा से हिल रहा होगा।
लेकिन फिर ज़ोर-ज़ोर से हिलने लगा।

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 7 6/26/23 9:51 AM

वह झट-पट उड़ी।
उड़ते ही घोंसला गिर गया।

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 8 6/26/23 9:51 AM

देखा, एक हाथी पेड़ से पीठ खुजा रहा है।
हाथी को खूब बुरा-भला कहा।

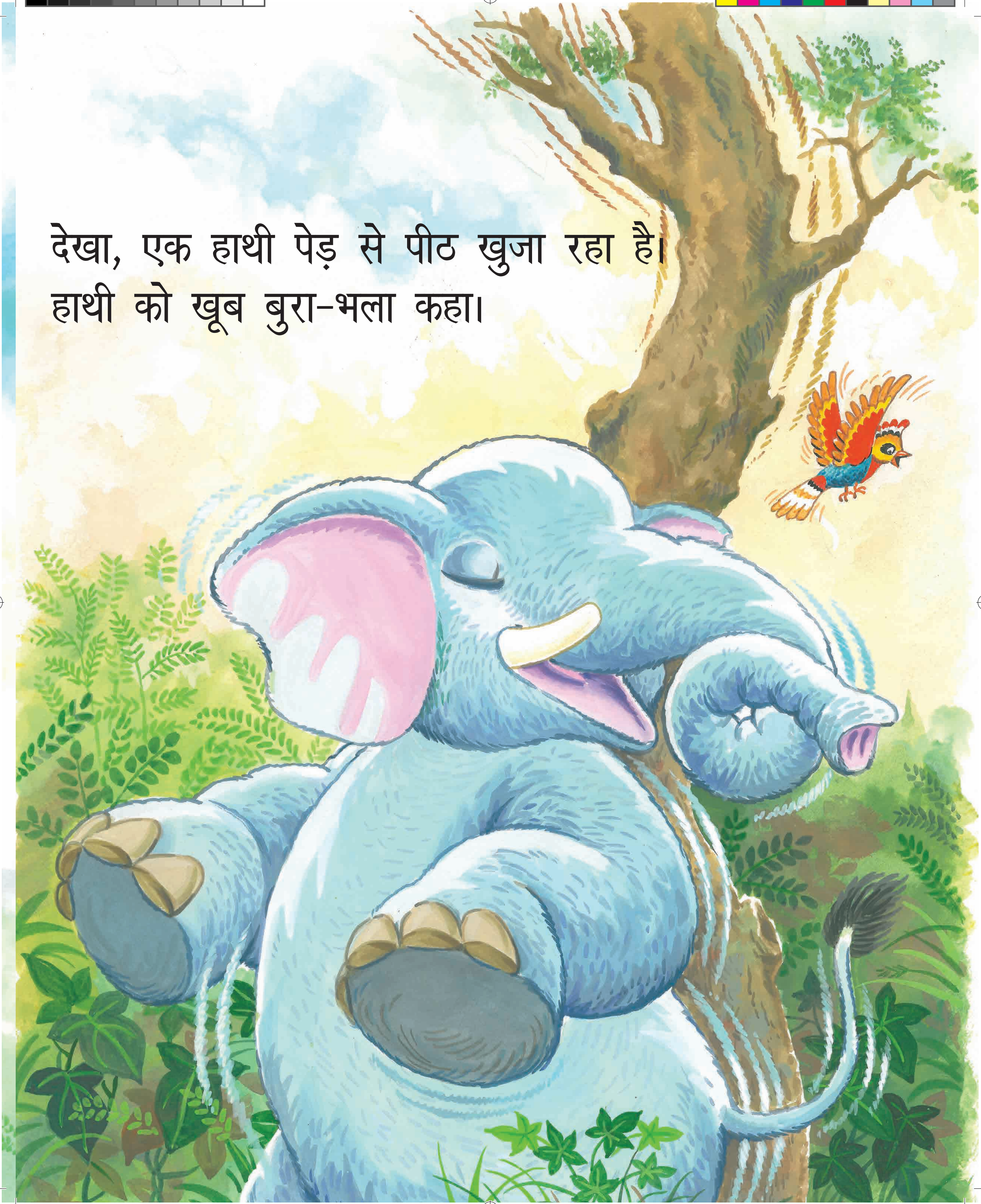

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 9 6/26/23 9:51 AM

उसने एक नई जगह ढूँढ़ी।
जहाँ हाथी न आ सके।

फिर से घोंसला
बनाना शुरू किया।

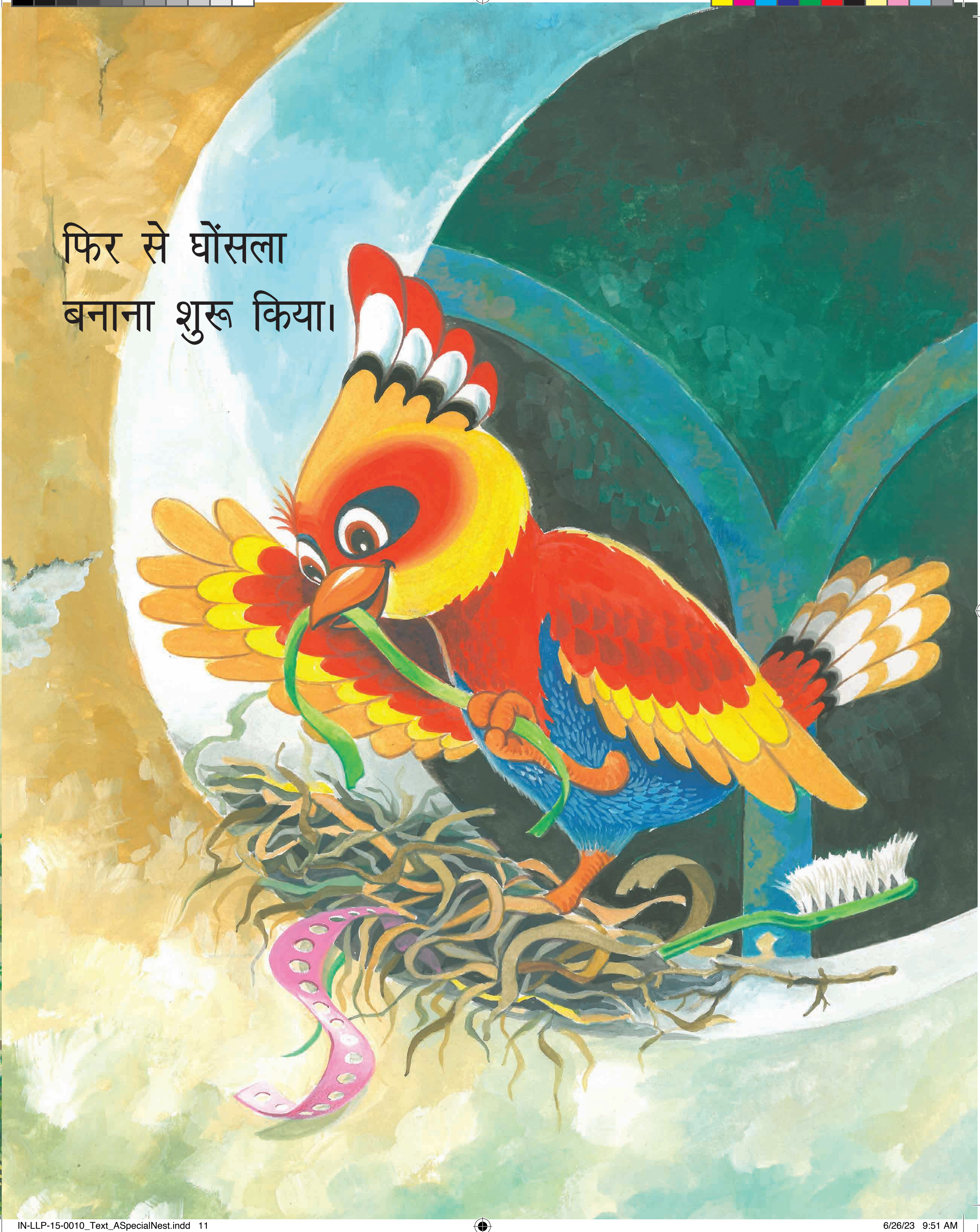

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 11 6/26/23 9:51 AM

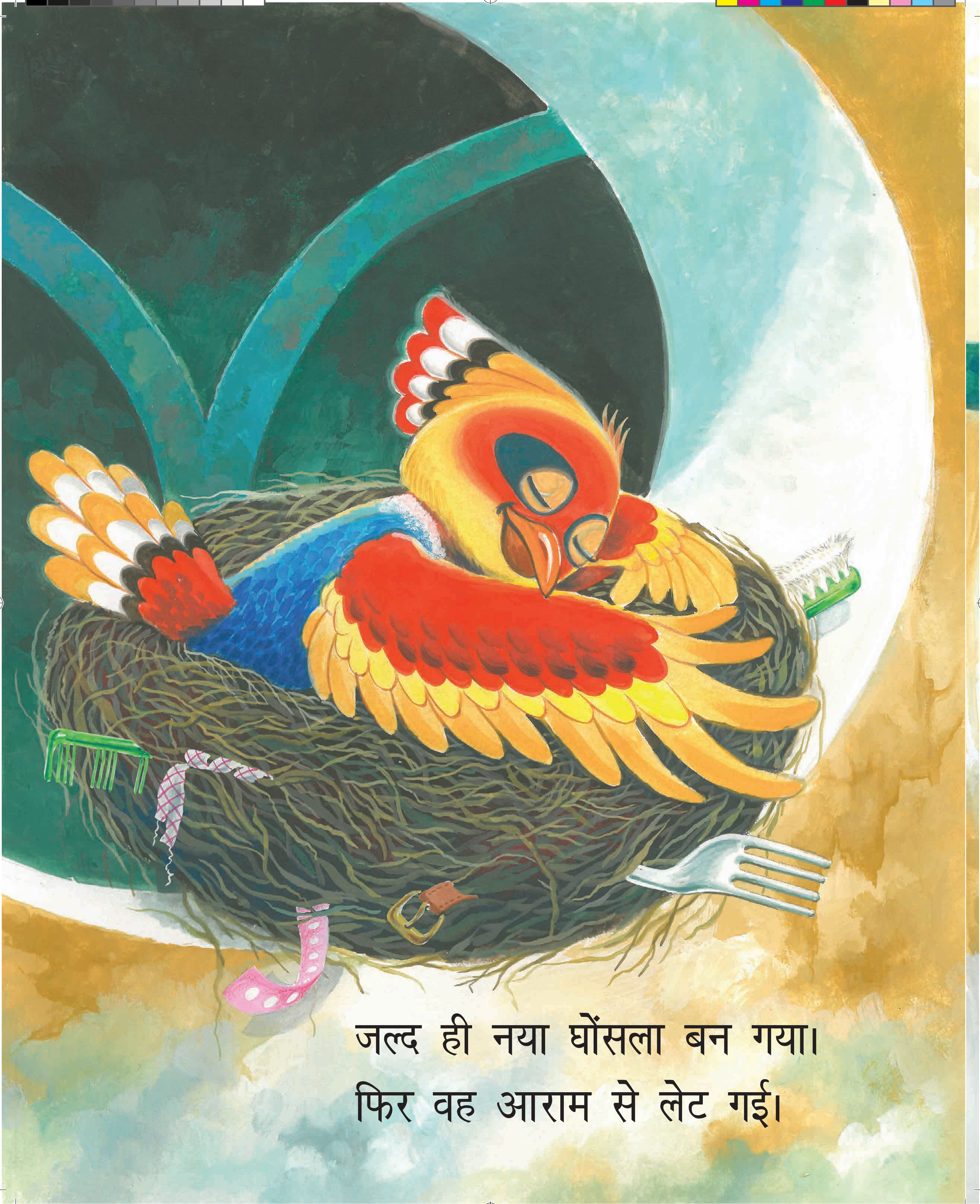

जल्द ही नया घोंसला बन गया।
फिर वह आराम से लेट गई।

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 12 6/26/23 9:51 AM

तभी, उसे बड़ी-बड़ी आँखें दिखाई दीं।
वह घबराकर झट से उड़ी।

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 13 6/26/23 9:51 AM

वे आँखें एक आदमी की थीं।
उसने घोंसला फेंक दिया।
फिर पुताई करने लगा।

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 14 6/26/23 9:51 AM

चिड़िया ने आदमी को भी बुरा-भला कहा। दुखी मन से उड़ चली।

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 15 6/26/23 9:51 AM

वह उड़ती जा रही थी।
तभी उसे एक गुब्बारा दिखा!

IN-LLP-15-0010_Text_ASpecialNest.indd 16 6/26/23 9:51 AM

फिर दूसरा...

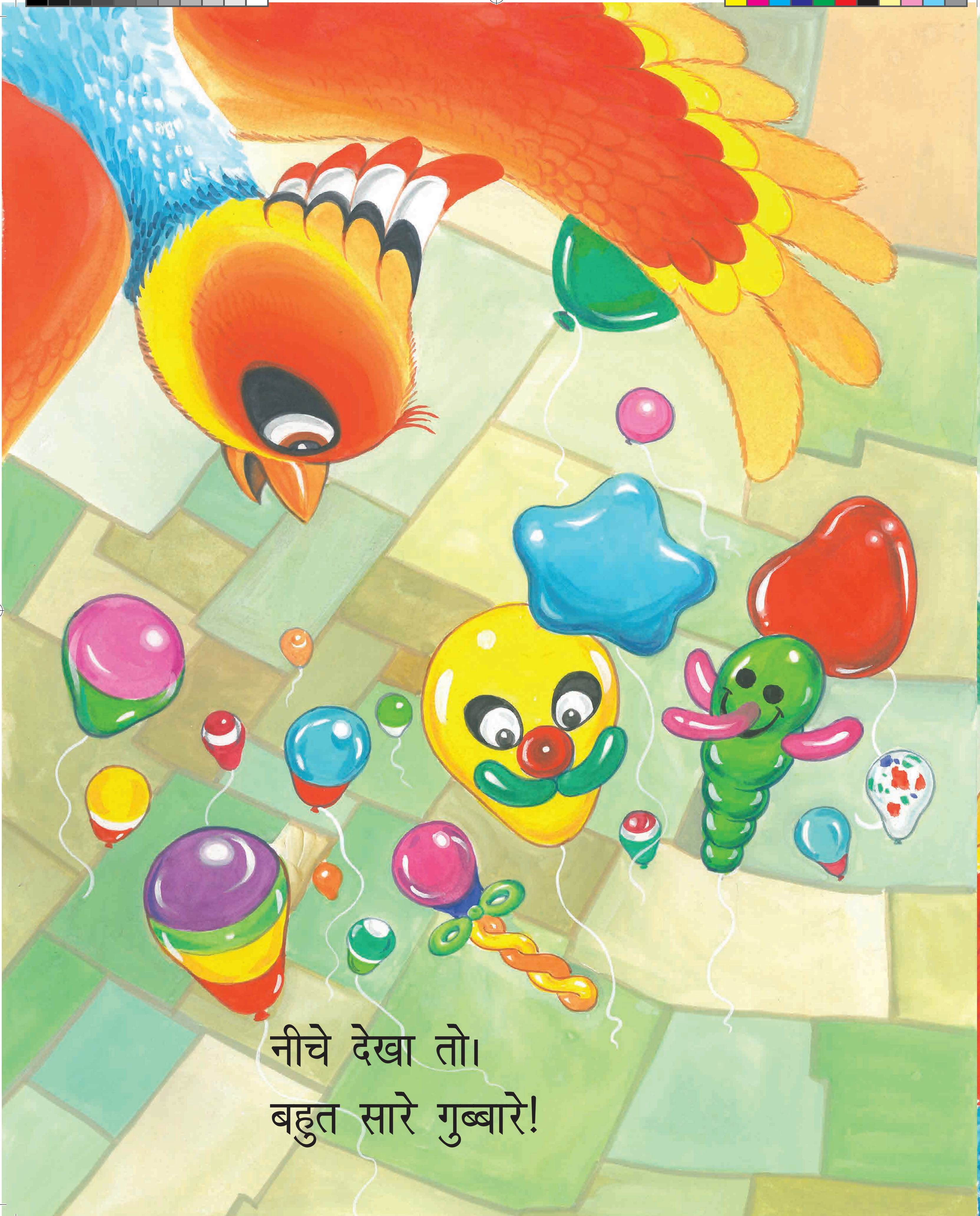

नीचे देखा तो।
बहुत सारे गुब्बारे!

गुब्बारों को देख वह खुश हुई।
उसे एक तरकीब सूझी।

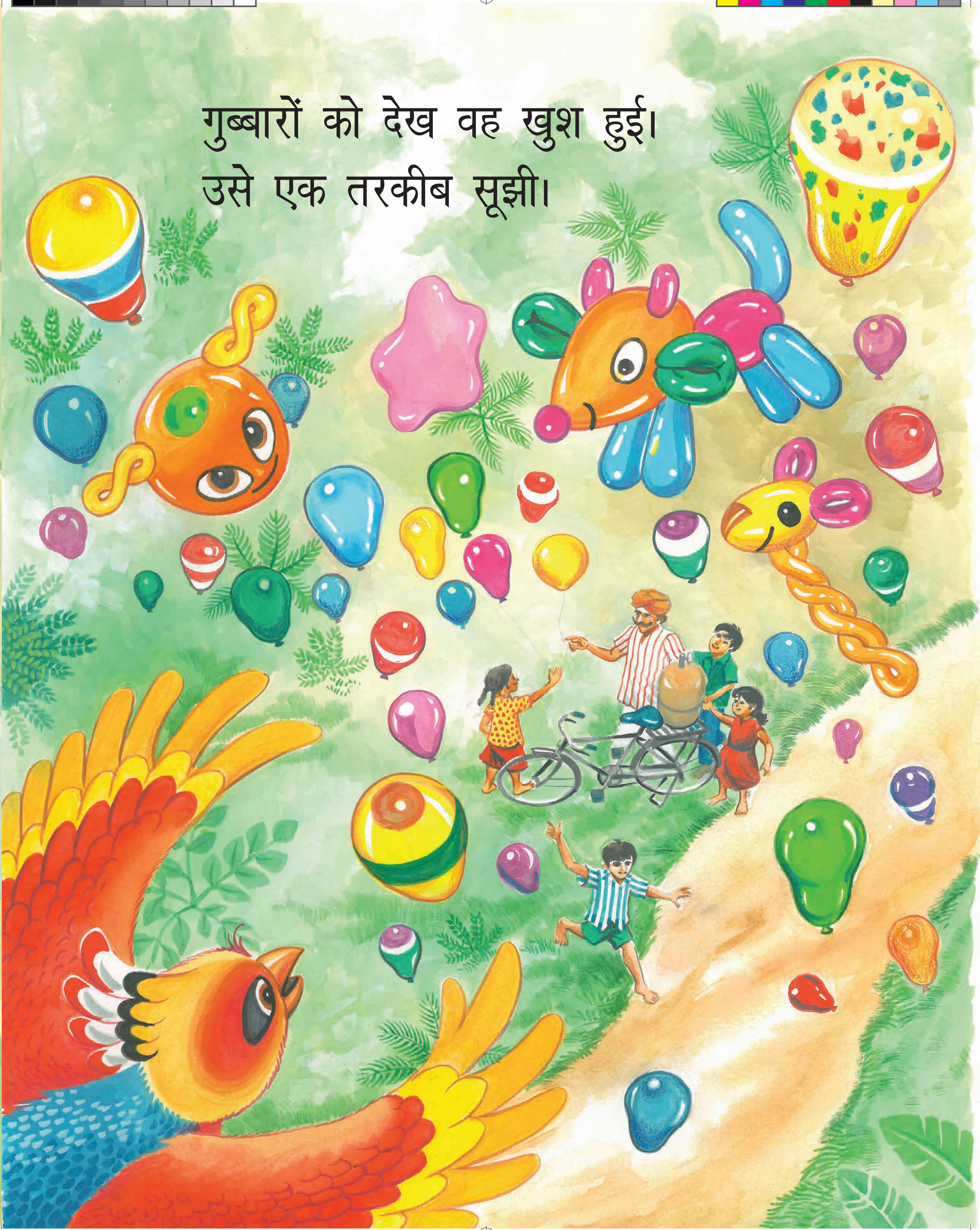

उसने फिर से घोंसला बनाया। एक अनोखा घोंसला।
जहाँ कोई उसे परेशान न करे।